बीएचईएल ने भारतीय परमाणु ऊर्जा बाजार में अपने नेतृत्व की पुन: पुष्टि की;

न्यूक्लियर स्टीम टरबाइनों का एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता होने की स्थिति को बनाए रखा

नई दिल्ली, 17 मार्च: न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा 6x700 मेगावाट टरबाइन आइलेंड पैकेज परियोजनाओं हेतु जारी किए गए फ्लीट मोड टेंडर की खुली प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) सबसे कम (~ 10,800 करोड़) बोली लगाने वाली कंपनी बन गई है।

इसके साथ ही बीएचईएल ने परमाणु स्टीम टरबाइनों का एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता होने के अपने बाजार नेतृत्व को यथावत बनाए रखा है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के मुख्य आधार पीएचडबल्यूआर (प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रेएक्टर) हैं। एनपीसीआईएल के 18 में से 12 चालू पीएचडबल्यूआर बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए स्टीम टरबाइन जनरेटर सेट (10x220 MWe + 2x540 MWe) से युक्त हैं। शेष टरबाइनों की आपूर्ति कनाडा और यूक्रेन ने की है। कैगा यूनिट-1 के 962 दिनों तक निरंतर निर्बाध संचालन के विश्व रिकॉर्ड सहित ये सेट लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, बीएचईएल इससे पहले काकरापार परमाणु विद्युत संयंत्र (यूनिट 3 एवं 4) तथा रावतभाटा परमाणु विद्युत संयंत्र (यूनिट 7 एवं 8) को 2x700 मेगावाट स्टीम टरबाइन जनरेटर सेटों की आपूर्ति कर चुका है।

बीएचईएल पिछले कई दशकों से भारत के परमाणु कार्यक्रम के लिए जटिल उपकरण एवं सेवाओं का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता रहा है। बीएचईएल में पहले से ही विशिष्ट विनिर्माण केंद्र एवं क्षमताएं स्थापित हैं। बीएचईएल का लक्ष्य परमाणु उपकरण उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में एक बड़ा योगदान देना है। इस पहल से भारत सरकार के "आत्मनिर्भर भारत" अभियान को बल मिलेगा।